भाकृअनुप–केन्द्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर, कोलकाता में एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन

भाकृअनुप–केन्द्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर, कोलकाता में दिनांक 29 जून, 2018 को राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़वा देने तथा राजभाषा संबंधी अधिनियमों एवं आदेशों के अनुपालन हेतु एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बड़ी संख्या में सभी वर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों (वैज्ञानिक, प्रशासनिक एवं तकनीकी)ने भाग लिया। डा. एस. के. पाण्डेय, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी हिंदी कक्ष ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत करते हुए कार्यक्रम का संचालन किया तथा अपने वक्तव्य में कहा कि राजभाषा हिंदी के सरल एवं सहज शब्दों के प्रयोग मात्र से ही अपने कार्यालीन कार्यों को राजभाषा हिंदी में कर सकते हैं और इसके लिए हमें किसी भी प्रकार के नियमों के बंधन में बंधने की आवश्यकता नहीं है।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक, डा. जीबन मित्र, अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भाकृअनुप–केन्द्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर ने की। डा. दिलीप कुमार कुण्डु, प्रभागाध्यक्ष, फसल उत्पादन ने कहा कि राजभाषा हिंदी साधारण जनमानस एवं किसान भाइयों के साथ संपर्क बनाने का बेहतर माध्यम है क्योंकि इस भाषा को लगभग हर भारतीय समझता या बोलता है तथा इसका कार्यालयीन कार्यों में भरपुर प्रयोग किया जाना चाहिए। डा. एस. मित्रा, प्रभारी, अखिल भारतीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा नेटवर्क परियोजना ने राजभाषा हिंदी पर अपने बहुमूल्य विचार व्यक्त किये। डा. सी. एस. कर, प्रधान वैज्ञानिक, फसल सुधार ने कहा कि भारत की अधिकांश जनता राजभाषा हिंदी बोलती और समझती है अतः हमें कार्यालयीन कार्य करते हुए अपने भावों को कागज पर उतारते हुए हिंदी के आसान शब्दों का प्रयोग करना चाहिए।

अपने अध्यक्षीय भाषण में डा. जीबन मित्र, निदेशक महोदय ने कहा कि हमारा देश परम्पराओं व संस्कृति प्रधान देश है। उन्होंने सरल, सुबोध एवं आसान शब्दों का प्रयोग कार्यालयीन कार्य में करने पर जोर देते हुए संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों से राजभाषा संबंधी आदेशों के अनुपालन करने पर बल दिया।

इस अवसर पर डा. चन्द्र गोपाल शर्मा, पूर्व उप महा प्रबंधक (राजभाषा), पूर्व रेलवे, कोलकाता अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित थे। उन्होंने ने अपने संबोधन में कहा कि राजभाषा में कार्य करना हमारा संवैधानिक दायित्व है तथा अपना अधिकाधिक कार्य राजभाषा हिंदी में करना हमारा संवैधानिक दायित्व है तथा अपना अधिक से अधिक कार्य राजभाषा हिंदी के माध्यम से करने पर जोर देते हुए ऐसे कार्यक्रमों की उपयोगिता पर बल दिया। अतिथि वक्ता ने निदेशक महोदय तथा सभी प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए राजभाषा अधिनियम–नियम, राजभाषा नीति तथा व्यावहारिक व्याकरणिक समस्याओं व उनका समाधान तथा राजभाषा नीति के प्रमुख बिन्दुओं पर विस्तृत जानकारी एवं चर्चा की।

डा. एस.के. पाण्डेय, प्रभारी एवं प्रधान वैज्ञानिक ने श्री मनोज कुमार राय, सहायक के सहयोग से कार्यशाला की समाप्ति की।